AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि बताएगा, कैसे नियंत्रित करें शहरों का तापमान

विश्वविद्यालय के विधि संकाय के शिक्षक को आईसीएसएसआर से मिला 15 लाख का प्रोजेक्ट

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। देश में गांवों के मुकाबले शहरों का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। स्मार्ट सिटी के तहत होने वाले कामों की वजह से जलवायु परिवर्तन से होने वाले खतरे भी बढ़े हैं। प्रदेश में शहरी ताप नियंत्रण नीति के लागू करने के लिए लविवि अपने सुझाव देगा।

इसके लिए लविवि के विधि संकाय के शिक्षक डॉ. वरुण छाछड़ को 15 लाख रुपये का प्रोजेक्ट मिला है। इंडियन कौंसिल फॉर सोशल साइंस रिसर्च (आईसीएसएसआर) के इस प्रोजेक्ट के तहत अर्बन हीट लैंड के प्रभावों से पर्यावरण को होने वाले नुकसानों का आकलन किया जाएगा।

प्रोजेक्ट के तहत अर्बन हीट लैंड के प्रभावों से पर्यावरण को होने वाले नुकसान का होगा आकलन

प्रो. वरुण छाछड़।

डॉ. वरुण छाछड़ ने बताया कि शहरीकरण की प्रतिस्पर्धा में हमारे नगरीय निकाय पर्यावरण संबंधी समस्याओं का अंदाजा नहीं लगा पा रहे हैं। इसके चलते कूड़ा प्रबंधन समेत कई विकट समस्याओं के साथ ही जलवायु परिवर्तन से होने वाले खतरे बढ़ रहे हैं। अभी तक प्रदेश में इस तरह की कोई पॉलिसी नहीं है।

उन्होंने बताया कि पर्यावरण प्रबंधन जैसे गंभीर विषय को समझने के लिए हमें यूरोप के देशों की तर्ज पर अर्बन हीट पॉलिसी लागू करनी होगी। प्रदेश की स्थिति और संसाधनों को देखते हुए हम किस तरह से कोई नीति लागू कर सकते हैं, इस पर विचार करने के लिए पर्याप्त डाटा और विश्लेषण की जरूरत है। इसीलिए इस प्रोजेक्ट का प्रस्ताव दिया गया था। अब इस प्रोजेक्ट को मंजूरी मिल गई है।

आगरा, अलीगढ़, वाराणसी व लखनऊ से जुटाएंगे आंकड़े

प्रो. वरुण छाछड़ ने बताया कि शहरी ताप नियंत्रण के लिए नीति बनाने में सहयोग करने वाली अध्ययन रिपोर्ट को तैयार करने में चार शहरों से आंकड़े जुटाए जाएंगे। इसमें आगरा, अलीगण, वाराणसी व लखनऊ स्मार्ट सिटी शामिल होंगे। यहां पर नगरीय निकायों के कूड़ा प्रबंधन, बढ़ते शहरीकरण से कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो रहे शहर के कई अन्य पहलुओं को जुटाया जाएगा। अध्ययन का मकसद है कि हमारे शहर सिर्फ नाम के लिए स्मार्ट न हों, बल्कि पर्यावरण की दृष्टि से भी स्मार्ट साबित हों।

NBT PAGE 4, 7

एलयू: कई कोर्सों में 14 मार्च से एग्ज़ाम

■ एनबीटी सं, लखनऊः एलयू के स्नातक व परास्नातक विषम सेमेस्टर 2022 के तहत शनिवार को एमए एमआईएच, डिफेंस स्टडीज, उर्दू, पर्शियन, बीजेएमसी, एमएजेएमसी व एमएससी जियोलॉजी, वॉटनी, माइक्रोवायोलॉजी समेत कई अन्य पाठ्यक्रमों का परीक्षा कार्यक्रम जारी किया गया है।

परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि एमए एमआईएच प्रथम व तृतीय सेमेस्टर रेगुलर, बैकपेपर व एजेम्पटेड की परीक्षाएं 16 मार्च व 14 मार्च से शुरू होगी। एमए कम्पोजिट हिस्ट्री प्रथम की 14 मार्च व तृतीय सेमेस्टर की 17 मार्च से कराई जाएगी। एमए डिफेंस स्टडीज, उर्दू प्रथम की 21 मार्च व तृतीय सेमेस्टर की 14 मार्च से रेगुलर, बैकपेपर व इम्प्रूवमेंट की परीक्षाएं शुरू होगी। एमए पर्शियन प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 16 मार्च व तृतीय की 14 मार्च से कराई जाएंगी। वहीं एमएससी जियोलॉजी, वॉटनी, माइक्रोवायोलॉजी के प्रथम सेमेस्टर के 21 मार्च व तृतीय की 17 मार्च से रेगुलर, बैकपेपर व एजेम्पटेड परीक्षाएं होंगी। प्लांट साइंस के तृतीय सेमेसटर की 17 मार्च और एनवायरमेंट साइंस के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 21 मार्च से होंगी।

मास कॉम का शेड्यूल बदला : बीजेएमसी एनईपी प्रथम व तृतीय सेमेस्टर के परीक्षा कार्यक्रम में को-करिकुलर कोर्स की परीक्षाओं को जोड़कर दोबारा शेड्यूल जारी किया गया है। इसमें प्रथम सेमेस्टर में 27 और तृतीय में 28 व 29 को को-करिकुलर व राइटिंग्स फॉर जर्नल्स का पेपर होगा।

शहरी गर्मी के प्रभाव पर अध्ययन करेगा एलयू

■ एनबीटी सं, लखनऊ : एलयू अब शहर में रहने वाले लोगों के दैनिक जीवन पर शहरी गर्मी के प्रभाव पर अध्ययन करेगा। यह अध्ययन उत्तर प्रदेश पर फोकस के साथ भारत में 'अर्बन हीट आइलैंड' प्रभाव पर आधारित है। इस प्रॉजेक्ट के निदेशक डॉ. वरुण छाछर के मुताबिक, इंडियन काउंसिल फॉर सोशल साइंस रिसर्च की ओर से एलयू को 15 लाख रुपये का यह प्रॉजेक्ट शोध के लिए दिया गया है। इस प्रॉजेक्ट के माध्यम से एक ऐसा नीतिगत ढांचा तैयार करने का प्रयास किया जाएगा, जिसे सभी स्मार्ट सिटी मॉडलों तक बढ़ाया जा सके।

13 नकलची पकड़े गए

लखनऊ यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो.आलोक कुमार राय ने शनिवार को सीतापुर स्थित परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। वीसी प्रो.आलोक कुमार राय ने बताया कि परीक्षा में 60617 स्टूडेंट रजिस्टर्ड थे। दोनों पालियों में 394 स्टूडेंट अनुपस्थित थे। वीसी ने बताया कि दोनों पालियों में 13 स्टूडेंट नकल करते हुए पकड़े गए है। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई कर रहे हैं। सीतापुर के परीक्षा केन्द्रों के निरीक्षण के दौरान वीसी के साथ प्रॉक्टर प्रो.राकेश द्विवेदी समेत अन्य स्टाफ मौजूद था।

i-NEXT PAGE 4

16 मार्च से ऑड सेमेस्टर एग्जाम

LUCKNOW(11 MARCH): एलयू की ऑड सेमेस्टर की परीक्षाएं 16 मार्च से शुरू होंगी. शनिवार को इसको लेकर एलयू ने डेटशीट जारी कर दी है. डेटशीट के मुताबिक बीबीए टूरिज्म की सेमेस्टर 1 के एग्जाम 17 मार्च से 29 मार्च तक, बीबीए सेमेस्टर 3 के एग्जाम 16 मार्च से 31 मार्च तक, बीबीए ओल्ड कोर्स के एग्जाम 16 मार्च से शुरू होकर 31 मार्च तक चलेंगे. बीबीए सेमेस्टर 5 के एग्जाम 17 मार्च से 23 मार्च तक चलेंगे. सभी एग्जाम दोपहर की शिफ्ट में दोपहर 2 से शाम पांच बजे तक चलेंगे.

बीपीएड के एग्जाम 20 मार्च से होंगेः बीपीएड सेमेस्टर 1 व सेमेस्टर 2, एमपीईएड सेमेस्टर 1 व एमपीईएड 3 सेमेस्टर के एग्जाम 20 मार्च से 28 मार्च तक चलेंगे. एमए एजुकेशन फर्स्ट सेमेस्टर के एग्जाम 20 मार्च से 31 मार्च तक चलेंगे. वहीं,एमए एजुकेशन न्यू व ओल्ड कोर्स सेमेस्टर थर्ड के एग्जाम 21 मार्च से 1 अप्रैल तक रहेंगे.

डिग्री के साथ जानेंगे उपयोगी वस्तुएं बनाने का भी फॉर्मूला

लखनऊ विश्वविद्यालय का हर विभाग तैयार कर रहा दस वर्षीय विजन डॉक्यूमेंट

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के साथ दैनिक जीवन की उपयोगी वस्तुएं साबुन, तेल, टूथपेस्ट आदि बनाने का फॉर्मूला भी सिखाया जाएगा। इसके साथ एनॉलिटिकल तकनीक का ज्ञान भी दिया जाएगा।

रसायन विज्ञान विभाग बताएगा साबुन, तेल, टूथपेस्ट बनाने का तरीका

इस बाबत लखनऊ विवि के रसायन विज्ञान विभाग ने दस वर्षीय विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया है जिससे यहां से पढ़कर निकलने वाले छात्र-छात्राओं को रसायन विज्ञान के किताबी ज्ञान के साथ रसायनों के प्रयोग व उनकी एनालिसिस करने की तकनीक से भी लैस किया जा सके। रसायन विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा ने बताया कि यह विजन डॉक्यूमेंट छात्र-छात्राओं को भविष्य की जरूरतों के लिए भी तैयार करेगा। रसायन विज्ञान विभाग के साथ विवि के अन्य विभाग भी विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने में जुट गए हैं।

डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि अब तक लाइब्रेरी साइंस, आधुनिक व मध्यकालीन इतिहास, मनोविज्ञान, सांख्यिकी समेत कई विभागों ने अपना विजन डॉक्यूमेंट दे दिया है। जिन विभागों ने अभी तक विजन डॉक्यूमेंट नहीं जमा किया है, उनसे जल्द जमा करने के लिए कहा गया है।

फिल्म सिटी में संभावित अवसरों के लिए तैयार होंगे विद्यार्थी

अभिनव गुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ एस्थेटिक्स एंड शैव फिलॉसफी की कोआर्डिनेटर डॉ. भुवनेश्वरी भारद्वाज ने बताया कि इस संस्थान में दुनिया के समृद्ध देशों के नागरिकों और विद्यार्थियों की गहरी रुचि है। संस्थान की ओर से आने वाले वर्षों में उत्तर प्रदेश की फिल्म सिटी की संभावनाओं और अवसरों को ध्यान में रखते हुए अल्पकालीन व दीर्घकालीन कार्यक्रम चलाए जाएंगे। इसके साथ स्वतंत्र कला शास्त्र, संगीत, नृत्य, अभिनय, फिल्म निर्माण और रंगमंचीय कलाओं में विद्यार्थियों को दक्ष बनाया जाएगा। वहीं, व्यक्तित्व प्रबंधन व संवर्धन, मानसिक स्वास्थ्य, मातृत्व एवं बाल्य विकास, होलिस्टिक हेल्थ और वेलनेस के क्षेत्र में थेराप्यूटिक्स ऑफ तंत्र की दृष्टि से शोध, सलाह और मार्गदर्शन कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। आगामी वर्षों में तंत्रागम की अप्रकाशित पांडुलिपियों का संग्रहण, प्रामणिक संपादन और प्रकाशन कराया जाएगा। तंत्रागम ग्रंथों का प्रामाणिक अनुवाद कार्य भी कराया जाएगा।

पीएचडी के सभी काम ऑनलाइन

लखनऊ विवि शुरू करेगा शोधार्थियों के लिए नई व्यवस्था

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अब शोधार्थियों को अपनी डिग्री अवॉर्ड कराने के लिए महीनों चक्कर नहीं लगाने होंगे। अब थीसिस जमा करने से लेकर मूल्यांकन जैसे सभी काम ऑनलाइन होंगे। विवि प्रशासन नए सत्र से यह व्यवस्था लागू करने जा रहा है। वहीं शिक्षकों के अवकाश स्वीकृति की व्यवस्था भी ऑनलाइन होने जा रही है।

लविवि में इस समय नियमतः न्यूनतम तीन साल और अधिकतम छह साल में पीएचडी की थीसिस जमा करनी होती है। जो शोधार्थी निर्धारित समय में अपनी थीसिस जमा भी कर देते हैं, उनको भी डिग्री अवॉर्ड होने में लंबा समय लग जाता है। पीएचडी थीसिस जमा करने के बाद विवि मूल्यांकन के लिए भेजता है। कई बार देखा गया है कि विवि के स्तर से मूल्यांकन के लिए थीसिस छह-छह महीने तक नहीं भेजी जाती है। थीसिस जंचकर आने में भी कई महीने का समय लग जाता है। इसके बाद वाइवा की तिथि और विशेषज्ञों को लेकर भी अनावश्यक समय जाता है। इसे देखते हुए विवि प्रशासन ने तय किया है कि अब पीएचडी संबंधी सभी काम ऑनलाइन की किए जाएं। किसी भी स्तर से उसमें देरी होने पर उसे तुरंत पकड़ लिया जाएगा। इससे थीसिस जमा होने के बाद जल्द डिग्री अवॉर्ड हो सकेगी।

अब अवकाश के लिए शिक्षकों को नहीं लगाने होंगे चक्कर

लविवि में शिक्षकों को अपना अवकाश विभागाध्यक्ष से स्वीकृत कराकर कुलपति कार्यालय भेजना होता है। लंबी छुट्टी या फिर विदेश जाने में कुलपति की अनुमति आवश्यक है। ऑफलाइन प्रक्रिया में समय की बर्बादी होती है। इसे देखते हुए लविवि प्रशासन व्यवस्था पूरी तरह से ऑनलाइन करने जा रहा है। इसमें शिक्षक छुट्टी के लिए आवेदन करेंगे। किसी भी स्तर पर उसे खारिज करने के लिए संबंधित जिम्मेदार को टिप्पणी दर्ज करनी होगी। अगले चरण में इसे कर्मचारियों के लिए भी लागू किया जाएगा।

> **अगले माह तक लागू होगा**
>
> शोधार्थियों की सुविधा के लिए पीएचडी संबंधित सभी काम ऑनलाइन करने की योजना बनाई गई है। अगले महीने तक इसे लागू कर दिया जाएगा। साथ ही शिक्षकों की छुट्टियां स्वीकृत करने की प्रक्रिया भी ऑनलाइन की जाएगी।
>
> – प्रो. आलोक राय, कुलपति लविवि

JAGRAN CITY PAGE III

पत्रकारिता समेत कई पाठ्यक्रमों का परीक्षा कार्यक्रम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग ने शनिवार को बीएजेएमसी व एमएजेएमसी विषम सेमेस्टर समेत कई पाठ्यक्रमों का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया। ये सभी परीक्षा कार्यक्रम देर शाम विवि की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर अपलोड किए गए हैं।

विश्वविद्यालय की ओर से जारी किए कार्यक्रमों के अनुसार, बीएजेएमसी व एमएजेएमसी विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं 14 मार्च से 28 मार्च तक होंगी। एमए एमआईएच विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं 14 से 27 मार्च तक होंगी। एमए डिफेंस स्टडीज विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं 21 से 31 मार्च तक चलेंगी। एमए उर्दू विषम सेमेस्टर की 21 से 31 मार्च तक चलेंगी। एमएससी विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं 21 से 29 मार्च तक चलेंगी। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि सभी परीक्षाएं अपने तय केंद्रों पर होंगी। (संवाद)

एमए डिफेंस स्टडीज की परीक्षाएं भी 14 से

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की एमए डिफेंस स्टडीज तीसरे सेमेस्टर (रेगुलर, बैक पेपर, इम्प्रूवमेंट) की परीक्षाएं 14 से 28 मार्च तक होंगी। इसके प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 21 से 31 मार्च तक होंगी। परीक्षा दोपहर दो से शाम पांच बजे तक होगी। lkouniv.ac.in से परीक्षा कार्यक्रम डाउनलोड कर सकते हैं।

एमए (एमआइएच) सीबीसीएस प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा 16 से 25 मार्च, इसके तीसरे सेमेस्टर 14 से 27 मार्च, एमए (कम्पोजिट हिस्ट्री) सीबीसीएस प्रथम सेमेस्टर 14 व 16 मार्च और तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 17 व 20 मार्च को होगी। एमए उर्दू तीसरे सेमेस्टर 14 से 28 मार्च और प्रथम सेमेस्टर 19 से 31 मार्च, बीएफए टेक्सटाइल डिजाइन प्रथम सेमेस्टर 16, 20 मार्च, बीवीए स्कल्पचर तीसरे सेमेस्टर 23 व 25 मार्च, बीवीए टेक्सटाइल तीसरे सेमेस्टर 17 व 21 मार्च, बीवीए फाइन आर्ट पांचवें सेमेस्टर और बीवीए सीए पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा 22, 24 मार्च, बीएफए टेक्सटाइल डिजाइन पांचवें सेमेस्टर 21, 23 मार्च, बीवीए फाइन आर्ट सातवें सेमेस्टर की परीक्षा 27, 29 मार्च को होगी। बीवीए (सीए) पांचवें सेमेस्टर, बीवीए स्कल्पचर सातवें सेमेस्टर और बीएफए टेक्सटाइल डिजाइन सातवें सेमेस्टर की परीक्षा 27, 29 मार्च को होगी।

मनपसंद विश्वविद्यालय में प्रवेश का मौका सीयूईटी से

मेधावी छात्र-छात्राएं अपने प्रदेश के विश्वविद्यालयों में सेंट्रल यूनिवर्सिटी इंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) से प्रवेश पा सकेंगे। इसमें आवेदन की तिथि 30 मार्च किए जाने से वंचित विद्यार्थियों को मौका मिल गया है। बीबीएयू, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, अंग्रेजी-विदेशी भाषा केंद्रीय विश्वविद्यालय (क्षेत्रीय कैंपस मोती महल) व एकेटीयू में बीटेक को छोड़ कर शेष पाठ्यक्रमों में सीयूईटी से ही प्रवेश मिलेगा। बीबीएयू और केएमसी भाषा विश्वविद्यालय ने सीयूईटी के माध्यम से स्नातक और परास्नातक के सभी पाठ्यक्रमों की सूची वेबसाइट पर अपडेट की है।

पीजी के कई पाठ्यक्रमों की परीक्षा कार्यक्रम जारी

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की एमएससी कंप्यूटर साइंस प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 14 मार्च से और इसके तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 17 मार्च से होंगी।

एमएससी जियोलाजी तीसरा सेमेस्टर 17 मार्च से, प्रथम सेमेस्टर 21 मार्च से, एमएससी बाटनी प्रथम सेमेस्टर 21 से 29 मार्च तक, इसके तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 17 से 25 मार्च तक होगी। एमएससी माइक्रोबायोलाजी प्रथम सेमेस्टर 21 से 29 मार्च, तीसरे सेमेस्टर 17 से 28 मार्च, एमएससी इनवायरमेंट साइंस प्रथम सेमेस्टर 21 से 29 मार्च, एमएससी प्लांट साइंस तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 17 से 25 मार्च तक होंगी। www.lkouniv.ac.in पर परीक्षा कार्यक्रम देख सकते हैं।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

सीतापुर के कई परीक्षा केन्द्रों पर लविवि के कुलपति ने मारे छापे

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शनिवार को सीतापुर जनपद में विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर चल रही सेमेस्टर परीक्षा का निरीक्षण किया। इन परीक्षा केन्द्रो में श्री गांधी डिग्री कॉलेज, सिधौली, सीतापुर, राजकीय महाविद्यालय, कुचलई, सीतापुर, रामेश्वर दयाल राम किशोर मिश्र महाविद्यालय, संदना, सीतापुर शामिल हैं। कुलपति ने सभी परीक्षा केन्द्राध्यक्षों को नकल विहीन परीक्षा कराने के सख्त निर्देश दिए। निरीक्षण में कुलपति के साथ कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी और कुलानुशासक मंडल के अन्य सदस्य तथा डीन कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल भी थे।

विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर चल रही हैं सेमेस्टर परीक्षाएं

अर्बन हीट आईलैंड्स से बढ़ रहीं बीमारियां

LUCKNOW(11 March): लखनऊ यूनिवर्सिटी के विधि संकाय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. वरुण छाछर ने शहरों में बढ़ रहे अर्बन हीट आइलैंड्स पर अध्ययन किया है. उन्होंने बताया कि शहर की प्राकृतिक भूमि के आवरण को जब फुटपाथ, इमारतों या अन्य सतह की घनी सघनता से बदल देने पर, वहां गर्मी को अवशोषित करके उसे बनाए रखते हैं, तब वहां अर्बन हीट आइलैंड्स बनते हैं. यह प्रभाव वायु प्रदूषण के स्तर और गर्मी की बीमारी को बढ़ाता है और मृत्यु दर में बढ़ावा देता है. यह आईलैंड्स गर्मी से संबंधित मौतों और गर्मी से संबंधित बीमारियों जैसे गैर घातक हीट स्ट्रोक में योगदान देते हैं. इस प्रॉजेक्ट के लिए इंडियन कौंसिल फॉर सोशल साइंस रिसर्च की ओर से ग्रांट में 15 लाख रुपए मिले हैं.

AMRIT VICHAR PAGE 4

सीतापुर के परीक्षा केंद्रों का कुलपति ने किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शनिवार को सीतापुर जनपद में विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर चल रहीं सेमेस्टर परीक्षा का निरीक्षण किया। सभी परीक्षा केंद्र व्यवस्थापकों को नकल विहीन परीक्षा कराने के सख्त निर्देश दिए।

सीतापुर जनपद के इन परीक्षा केंद्रों में गांधी डिग्री कॉलेज, सिधौली, सीतापुर, राजकीय महाविद्यालय, कुचलई, सीतापुर, रामेश्वर दयाल राम किशोर मिश्र महाविद्यालय, संदना, सीतापुर में औचक निरीक्षण किया। कुलपति ने सभी परीक्षा केंद्राध्यक्षों को नकल विहीन परीक्षा कराने के सख्त निर्देश दिए। इस निरीक्षण में कुलपति के साथ कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी और कुलानुशासक मण्डल के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

सीतापुर जनपद में परीक्षा केंद्र पर चल रहीं सेमेस्टर परीक्षा का निरीक्षण करते कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय। अमृत विचार

सामाजिक समझौते के सिद्धांत को किया स्पष्ट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय (लविवि) के दर्शनशास्त्र विभाग ने सेमिनार का आयोजन किया। इस सेमिनार में दर्शनशास्त्र विभाग के शोध छात्र सुधीर कुमार यादव ने अपने व्याख्यान में रूसो की प्रसिद्ध पुस्तक एमिल को आधार बनाकर सामाजिक समझौते के सिद्धांत को स्पष्ट करने का प्रयास किया।

विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में अपने व्याख्यान साथ ही विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से समझाते हुए कहा कि किस प्रकार से हम प्रकृति से, मनुष्यों से तथा वस्तुओं से शिक्षा ग्रहण करते हैं। इस सेमिनार में दर्शनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रजनी श्रीवास्तव व अन्य विभागीय शिक्षक प्रो. राकेश चन्द्रा, डॉ. प्रशांत शुक्ला, डॉ. ममता सिंह उपस्थित रहे। इसके साथ ही दर्शनशास्त्र विभाग के शोध छात्रों के साथ-साथ स्नातक एवं परास्नातक के छात्र भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की संरक्षक दर्शनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रजनी श्रीवास्तव एवं समन्वयक विभाग के शोध छात्र अनुज कुमार मिश्रा, सह समन्वयक एवं रिपोर्ट राइटर विभाग की शोध छात्रा इरम खान रहीं। कार्यक्रम का संचालन विभाग की शोध छात्रा शीतल शर्मा के द्वारा किया गया। इसके साथ-साथ विभाग के अन्य छात्रों उदय प्रकाश, विवेक रावत, रूचि पटेल ने कार्यक्रम के सफलता पूर्वक आयोजन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

लविवि में दर्शन शास्त्र विभाग में व्याख्यान देते शोध छात्र सुधीर कुमार यादव, साथ में अन्य। अमृत विचार

लविवि के परीक्षा कार्यक्रम में हुआ बदलाव

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय (लविवि) ने एक बार फिर परीक्षा कार्यक्रम में फेरबदल करते हुए शनिवार को बीपीएड व एमपीएड समेत एमए व एमएससी परास्नातक के सभी पाठ्यक्रमों की सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए कार्यक्रम जारी कर दिया गया। विश्वविद्यालय का दावा है कि परास्नातक परीक्षाएं 14 मार्च से शुरू होंगी जो 4 अप्रैल तक संपन्न कराई जाएंगी।

शनिवार को एक बार फिर विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग की ओर से वेबसाइट पर परीक्षा कार्यक्रम को अपलोड कर दिया गया है। इनमें बीपीएड, एमपीएड, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन टूरिज्म, एमएससी फिलॉसिफी, एमएससी माइक्रोबाइलोजी, एमएससी बाटनी, एमए शिक्षाशास्त्र, एमए कंप्यूटर साइंस, एमएससी फिजिक्स, एमए व एमएससी मैथेमेटिक्स, एमए लिंग्विस्टिक्स, एमए जियोग्राफी, एमए अंग्रेजी व एमए परसियन, एम ए उर्दू विषयों के साथ बीजेएमसी व एमजेएमसी आदि शामिल हैं। सभी परीक्षाएं पहले व तीसरे सेमेस्टर की हैं। वहीं कुछ परीक्षाएं पांचवें सेमेस्टर की भी हैं। सभी परीक्षाएं 14 से 29 मार्च के बीच संपन्न कराने का विश्वविद्यालय का दावा है।

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी के मुताबिक का कहना है कि होली की छुट्टियों के चलते शेड्यूल में कुछ बदलाव किया गया है। होली की छुट्टियां हो जाने से कुछ विषयों की परीक्षा तिथियां आगे बढ़ाई गई हैं। लेकिन विश्वविद्यालय अब कोई बदलाव नहीं कर रहा है। विश्वविद्यालय का प्रयास है कि स्नातक के साथ परास्नातक की सभी परीक्षाएं समय से जल्द संपन्न कराई जाएं। उनका कहना है कि सभी परीक्षाएं दो पालियों में होंगी। पहली पाली की परीक्षा सुबह नौ से 12 बजे तक और दूसरी पाली की दोपहर दो बजे से होंगी।

- **विश्वविद्यालय का 14 मार्च से 4 अप्रैल तक परीक्षा संपन्न कराने की तैयारी**

TARUN MITRA PAGE 12

कुलपति ने सेमेस्टर परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

लखनऊ, 11 मार्च (तरुणमित्र)। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सीतापुर जनपद में विभिन्न केंद्रों पर चल रही सेमेस्टर परीक्षा का निरीक्षण किया। इन परीक्षा केंद्रों में गांधी डिग्री कॉलेज, सिधौली, राजकीय महाविद्यालय, कुचलई सीतापुर, रामेश्वर दयाल राम किशोर मिश्र महाविद्यालय,संदना सीतापुर शामिल रहे। इस दौरान कुलपति ने सभी परीक्षा केंद्र अध्यक्षों को नकल विहीन परीक्षा कराने के सख्त निर्देश दिए। इस निरीक्षण में कुलपति के साथ कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी और कुलानुशासक मण्डल के अन्य सदस्य तथा डीन कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल भी मौजूद रहे।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शन शास्त्र विभाग में सेमिनार का हुआ, आयोजन

स्वतंत्र भारत लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शन शास्त्र विभाग की तरफ से सैटरडे सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में दर्शन शास्त्र विभाग के शोध छात्र सुधीर कुमार यादव ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। उनके द्वारा प्रस्तुत व्याख्यान का विषय रूसो का शिक्षा दर्शन था। उन्होंने अपने व्याख्यान में रूसो की प्रसिद्ध पुस्तक एमिल को आधार बनाकर सामाजिक समझौते के सिद्धांत को बताने का प्रयास किया। साथ ही विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि किस प्रकार से हम प्रकृति से, मनुष्यों से तथा वस्तुओ से शिक्षा ग्रहण करते हैं। इस सेमिनार में दर्शन शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रजनी श्रीवास्तव एवं अन्य विभागीय शिक्षक प्रो. राकेश चन्द्रा, डॉ. प्रशान्त शुक्ला, डॉ. ममता सिंह उपस्थित रहे। इसके साथ ही दर्शन शास्त्र विभाग के शोध छात्रों के साथ-साथ स्नातक एवं परास्नातक के छात्र भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की संरक्षक दर्शन शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रजनी श्रीवास्तव एवं समन्वयक विभाग के शोध छात्र अनुज कुमार मिश्रा, सह समन्वयक एवं रिपोर्ट राइटर विभाग की शोध छात्रा इरम खान रहीं। कार्यक्रम का संचालन विभाग की शोध छात्रा शीतल शर्मा के द्वारा किया गया। इसके साथ-साथ विभाग के अन्य छात्रों उदय प्रकाश, विवेक रावत, रूचि पटेल

वर्तमान युग पर की परिचर्चा

स्वतंत्रभारत संवाददाता, लखनऊ। ड्रामा ध्रुव तारा-समय सदी से परे में ध्रुव ईशान धवन और तारा रिया शर्मा की कहानी में तारा 17वीं शताब्दी की एक राजकुमारी है, जो अपने भाई की जान बचाने के लिये समय की यात्रा करके वर्तमान युग में पहुंचती है। सब पर तारा का भाई गंभीर रोग से ग्रस्त और उसका ठीक होना साम्राज्य के लिये जरूरी है। उसकी मुलाकात ध्रुव से होती है, जो 21वीं सदी का एक न्यूरोसर्जन है और उनकी प्रेम कहानी की शुरूआत होती है।

कुलपति ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने सीतापुर जनपद में विभिन्न केंद्रों पर चल रही सेमेस्टर परीक्षा का निरीक्षण किया। इन परीक्षा केंद्रों में

नकल विहीन परीक्षा कराने के दिए निर्देश

गांधी डिग्री कॉलेज, सिधौली, राजकीय महाविद्यालय, कुचलई सीतापुर, रामेश्वर दयाल राम किशोर मिश्र महाविद्यालय,संदना सीतापुर शामिल रहे। इस दौरान कुलपति ने सभी परीक्षा केंद्र अध्यक्षों को नकल विहीन परीक्षा कराने के सख्त निर्देश दिए। इस निरीक्षण में कुलपति के साथ कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी और कुलानुशासक मण्डल के अन्य सदस्य तथा डीन कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल भी मौजूद रहे।